दिन–सोमवार दिनांक– 30 / 09 / 2024

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7.30 बजे से। अवधिः– 15 मिनट

---

01. कोसी और गंडक बराज से रिकॉर्ड पानी छोड़े जाने के बाद आई बाढ़ से राज्य के सोलह जिलों में स्थिति गंभीर।

02. बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज किया गया। रांची और वाराणसी से एनडीआरएफ की छह अतिरिक्त टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंची।

03. जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा– जलस्तर में कमी के बावजूद तटबंधों में कटाव की आशंका के मद्देनजर सतर्कता बढ़ाई गई।

04. और, भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार जाने माने फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा।

कोसी और गंडक बराज से पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ का पानी कई नए क्षेत्रों के साथ विभिन्न नदियों में पहुंच रहा है। जिससे पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सुपौल, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, अररिया, सीतामढ़ी, शिवहर सहित 16 जिले बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं। इधर, गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती, कमला बलान और अन्य कई छोटी नदियों में पानी के अधिक दबाव के कारण विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा तटबंध टूट गए है। सीतामढ़ी जिले में बेलसंड प्रखंड के मधकौल, रिखौली और रून्नीसैदपुर प्रखंड के तिलक ताजपुर में बागमती नदी का तटबंध टूट गया है, जिससे दर्जनों गांवों में जन–जीवन प्रभावित है। दरभंगा जिले के किरतपुर प्रखंड अंतर्गत भुभौल के पास कोसी नदी का पश्चिमी तटबंध टूट गया है जिससे कई पंचायतों में बाढ़ का पानी घुस गया है। पश्चिम चंपारण जिले में एक सुरक्षा बांध भी ध्वस्त हो गया है। जल संसाधन विभाग बांधों की मरम्मत का काम कर रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार आज भी कोसी, गंडक और बराह के बराजों से पानी छोड़ने को सिलसिला जारी है। कोसी बराज से आज दोपहर एक बजे दो लाख चौदह हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत अभियान तेज कर दिया गया है। बाढ़ के बाद विस्थापित हुए लोगों को सामुदायिक रसोई में तैयार भोजन दिए जा रहे हैं। इधर, बाढ़ की विकट स्थिति के मद्देनजर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल–एनडीआरएफ की छह अतिरिक्त टीम को राहत कार्य में लगाया गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहले से मौजूद राष्ट्रीय आपदा मोचन

बल की बारह और राज्य आपदा मोचन बल की बाईस टीमें राहत और बचाव के काम में जुटी हुई हैं।

दरभंगा जिले के किरतपुर प्रखंड में एक बड़ी आबादी बाढ़ की आपदा का सामना कर रही है। बिरौल और कुशेश्वरस्थान के कई गांवों में भी जन–जीवन प्रभावित है। एक रिपोर्ट–

———बाईट———

शिवहर जिले में बागमती नदी में बाढ़ से कई गांवो में जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। तटबंध टूटने से स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई है। और ब्योरा हमारे संवाददाता से।

———बाईट———

पिपराही प्रखंड के बेलवा सहित विभिन्न स्थलों पर बागमती तटबंध में दरार आने से पानी का रिसाव हो रहा है। तरियानी प्रखंड के सोगरा अदलपुर के पास भी तटबंध पर गंभीर दबाव बना हुआ है। इधर तरियानी छपरा के पास बागमती तटबंध टूट जाने से तेज गति से पानी का बहाव हो रहा है। जिससे तरियानी छपरा गांव जलमग्न है। इसके साथ ही लदौरा, गंगा धरमपुर, लहसूरका समेत दर्जनों गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। सैकड़ो परिवार मुख्य सड़क के साथ ही अन्य उंचे स्थानों पर शरण लिए हुए हैं। एनडीआरएफ की चार टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। आकाशवाणी समाचार के लिए शिवहर से हरिकांत सिंह।

पूर्वी चंपारण के सुगौली प्रखंड में सिकरहना नदी में भारी दबाव के कारण रिंग बांध टूट जाने से कई पंचायतों में पानी घुस गया है। एक रिपोर्ट–

———बाईट———

पूर्वी चंपारण के सुगौली प्रखंड के उत्तरी सुगाव पंचायत में सिकरहना नदी के दबाव के कारण उतरी सुगाव पंचायत के गोंडीगवा गाव के वार्ड नंबर 1 में रिंग बांध टूट गया। इससे पानी का फैलाव तेजी से निचले इलाकों की तरफ हो रहा है। सैकड़ो घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। पंचायत के मुखिया रंजीत झा ने रिंग बांध टूटने की सूचना सीओ और जिला प्रशासन को दी है । स्थानीय लोग रिंग बांध की मरम्मत कार्य में जुटे हैं । पानी फैलने से हजारों हेक्टेयर में फसल को नुकसान पहुंचा है । आकाशवाणी समाचार के लिए पूर्वी चंपारण से आलोक कुमार

सुपौल जिले में कोसी नदी के जलस्तर में थोड़ी कमी दर्ज की गई है। जिससे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पानी घट रहा है। एक रिपोर्ट.....

———बाईट———

भीमनगर कोसी बाराज से पानी छोड़ने का सिलसिला जारी है। आज शाम बजे तक कोसी बराज से एक लाख 86 हजार 430 क्यूसेक पानी घटते क्रम में छोड़ा गया। हालांकि कम मात्रा में पानी छोड़े जाने से कोसी नदी के जलस्तर में कमी आई है। बाढ़ ग्रस्त इलाकों में भी 3 से 4 फीट तक पानी कम हुआ है। कोसी तटबंध के भीतर लगभग 25 पंचायतों की डेढ़ लाख आबादी बाढ़ प्रभावित है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है । एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है। जिले में 35 कम्युनिटी किचन का संचालन किया जा रहा है। आकाशवाणी समाचार के लिए सुपौल से रविशंकर चौधरी

———————————————————————

जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि गंडक और कोसी बराज से जलस्राव में कमी के बावजूद तटबंधों में भारी कटाव को लेकर विभाग की ओर से पूरी सतर्कता बरती जा रही है। श्री चौधरी ने आज पटना में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि फिल्ड के अधिकारियों को निरंतर तटबंधों पर नजर रखने को कहा गया है।

———बाईट———

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि अप्रत्याशित पानी छोड़े जाने से और नेपाल से निकलने वाली नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश से रिकार्ड जलस्राव हुआ है। उन्होंने बताया कि बागमती नदी पर बने तटबंध सबसे अधिक पांच स्थानों पर टूटे हैं। वहीं बगहा में चंपारण तटबंध और दरभंगा में कोशी तटबंध को नुकसान पहुंचा है। श्री चौधरी ने कहा कि पिछले चार पांच दिनों में कोसी और गंडक रिकार्ड जलस्राव हुआ है। पिछले पचास साठ घंटे विभाग के अधिकारियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहे।

———बाईट———

———————————————————————

इधर, मुख्यमंत्री के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बाढ़ प्रभावित दरभंगा और सीतामढ़ी जिले का हवाई सर्वेक्षण किया । उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चलाने के निर्देश दिये ।

———————————————————————

इधर, कटिहार–जोगबनी रेलखंड पर रेल परिचालन सामान्य हो गया है। कटिहार रेलमंडल के प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि जोगबनी स्टेशन यार्ड से पानी निकल जाने के बाद आज सुबह से सभी ट्रेनों का परिचालन जोगबनी तक किया जा रहा है। गौरतलब है कि बाढ़ का पानी रेल ट्रैक पर आ जाने के कारण इस रेलखंड पर ट्रेन परिचालन फारबिसगंज तक ही किया जा रहा था।

———————————————————————

प्रदेश के अधिकतर भागों में मॉनसून की सक्रियता में कमी आई है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले चौबीस घंटो के दौरान राज्य के दक्षिण–मध्य और दक्षिण–पूर्व भागों में कुछ स्थानों पर मध्यम स्तर की वर्षा हुई है।

———————————————————

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केन्द्र से कोसी नदी पर नया बराज बनाने का अनुरोध किया है। श्री चौधरी ने आज नई दिल्ली में जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल से मुलाकात की और उन्हें इस संबंध में एक अनुरोध पत्र सौंपा। पत्र में कहा गया है कि कोसी नदी पर बना बराज काफी पुराना हो चुका है और मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार इसकी क्षमता भी बहुत कम है। इसलिए राज्य के लोगों को बाढ़ की विभिषिका से बचाने के लिए नया बराज बनाना आवश्यक हो गया है।

———————————————————

वहीं, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि भारी मात्रा मे पानी छोड़े जाने से राज्य के विभिन्न भागों में बाढ़ की विकट स्थिति बनी है। श्री सिन्हा ने कहा कि सरकार पूरी तरह से सतर्क और सजग है। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर राहत कार्य चलाए जा रहे है।

———बाईट———

———————————————————

राजस्व और भूमि सूधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि भूमि सर्वेक्षण में कागजात जमा करने के लिए रैयतों को और तीन महीने की छूट दी जा सकती है। गौरतलब है कि सरकार ने पहले ही रैयतों को तीन महीने की मोहलत दी है।

———बाईट———

———————————————————

जाने माने फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार अगले महीने 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

समारोह में प्रदान किया जाएगा। एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी घोषणा करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि कोलकाता की सड़कों से लेकर फिल्म जगत की ऊंचाईयों तक पहुंचने की मिथुन दा की उपलब्धियां कई पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं।

———बाईट———

बहुत ही गौरव की बात है कि मिथुन दा को दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड दिया जा रहा है। मिथुन दा की पूरी जिन्दगी स्ट्रगल्स और अचीवमेंट का एक कम्बीनेशन हैं। उन्होंने सिनेमैटिक हाइट्स अचीव की हैं। मैं मिथुन दा को बहुत बधाई देना चाहता हूं।

पुरस्कार की घोषणा पर मिथुन चक्रवर्ती ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संवाददाताओं से कहा कि वह यह पुरस्कार अपने परिवार और प्रशंसकों को समर्पित करते हैं।

———बाईट———

जहां से मैं आ रहा हूं कोलकाता के एक ऐसे ब्लाइंड लेन से, इस लड़के को इतना बड़ा सम्मान सोच भी नहीं सकता। लिटरली मैं भावुक हो गया। ये मैं डेडीकेट कर रहा हूं मैं अपनी फैमिली को और मेरे फैन्स को पूरे विश्व में जहां भी हैं।

———————————————————————

और अब प्रस्तुत है स्वच्छता ही सेवा श्रृंखला के तहत आकाशवाणी समाचार की विशेष प्रस्तुति । आज की कड़ी में जहानाबाद जिले की रिपोर्ट–

———बाईट———

जहानाबाद का समाहरणालय पार्क इन दिनों लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। वजह है इसकी रंग बिरंगी साज.सज्जा, जिसे अनुपयोगी चीजों से सुसज्जित किया गया है। स्वच्छता पखवाडें के अवसर पर हाल ही में अपर समाहर्ता ब्रजेश कुमार ने इस पार्क का उद्घाटन किया। कचरे को कंचन का रूप देने वाली इस साज सज्जा में जीविका दीदियों का अहम योगदान है। पार्क का निर्माण करने वाली जीविका दीदी ने बताया कि पार्क में बेकार पानी की बोतलो से आंगतुकों के लिये छतरी का निर्माण किया गया है।

———जीविका दीदी———

इसके अलावा पार्क को और खूबसूरती प्रदान करने के लिये मोटर साइकिल और स्कूटी के खराब टायरों को आकर्षक बनाकर कुर्सी का रूप दिया गया है। इसके अलावा विकास भवन परिसर में 12 पेडों में कचरे के बोतल से रंगीन गैबियन बनाया गया है। जहानाबाद में यह स्वच्छता अभियान के तहत किया गया यह अनूठा प्रयोग लोगों की सराहना प्राप्त कर रहा है।

आाकाशवाणी समाचार के लिये जहानाबाद से आभाष रंजन।

———————————————————————

गया में चल रहे पितृपक्ष मेला महासंगम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पिण्डदान के लिए पहुंच रहे है। आज देवघाट पर कई विदेशी श्रद्धालुओं ने भी पिण्डदान किया।

———————————————————

मधुबनी जिले के अन्धामठ थाना क्षेत्र के रौआही गांव में साँप काटने से दो युवको की मौत हो गई।

———————————————————

केन्द्रीय संचार ब्यूरो–पीआईबी पटना इकाई की ओर से बक्सर के एमपी हाई स्कूल परिसर में स्वभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता विषय पर आज से तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

———————————————————

01. कोसी और गंडक बराज से रिकॉर्ड पानी छोड़े जाने के बाद आई बाढ़ से राज्य के सोलह जिलों में स्थिति गंभीर।

02. बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज किया गया। रांची और वाराणसी से एनडीआरएफ की छह अतिरिक्त टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंची।

03. जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा– जलस्तर में कमी के बावजूद तटबंधों में कटाव की आशंका के मद्देनजर सतर्कता बढ़ाई गई।

04. और, भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार जाने माने फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा।

———————————————————

समाप्त